कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B^{++}) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:जुलाई-2024

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:जुलाई-2024

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

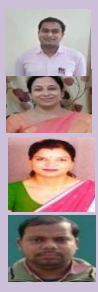

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	01.07.2024	महाविद्यालय	समितियों का गठन	1
2.	15.07.2024	बी.एड.	अभिविन्यास कार्यक्रम	1–2
3.	15.07.2024	एन.सी.सी.	कार्यशाला का आयोजन	2–3
4.	20.07.2024	एन.एस.एस.	एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन	3
5.	29.07.2024	प्राणि विज्ञान विभाग	विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन	4

JULY-2024

महाविद्यालय कोर कमेटी की बैठक

दिनांक 01.07.2024 को महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में कोर कमेटी की एक आवश्यक बैठक आहूत हुई। इस बैठक में सत्र 2024–25 के अकादमिक एवं प्रशासनिक क्रियान्वयन हेतु 38 समितियों का गठन हुआ। महाविद्यालय में अनुशासन व्यवस्था हेतु गठित **नियंता मंडल समिति के मुख्य नियंता का पदभार महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. रामप्रसाद यादव, विभागध्यक्ष, रक्षा अध्ययन विभाग ने ग्रहण किया।** पूर्व मुख्य नियंता प्रो. धीरेंद्र सिंह, प्राचीन इतिहास विभाग के 30 जून 2024 को सेवानिवृत होने के पश्चात यह पद रिक्त था।

पदभार ग्रहण करने के पश्चात डॉ रामप्रसाद यादव, मुख्य नियंता ने कहा कि मुझे एक बड़ी जिम्मेदारी प्राचार्य जी द्वारा दी गई है। मेरा पूरा प्रयास होगा की अपने नियंता मंडल के सहयोगियों के साथ महाविद्यालय के दोनो परिसरों में अनुशासन व्यवस्था को बनाए रखते हुए अकादमिक कार्यों का क्रियान्वयन सुचारू ढंग से किया जाए।

बी.एड. तृतीय सेमेस्टर हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 15.07.2024 को महाविद्यालय के शिक्षक–प्रशिक्षण विभाग में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर सत्रः 2024–25 के विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बी.एड. प्रशिक्षुओं को महाविद्यालय एवं विभाग

के द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराते हुए उन्हें संपूर्ण पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बी.एड. पाठ्यक्रम के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों से अवगत कराते हुए, सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षुओं को बी.एड. सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम के बाह्य एवं आन्तरिक प्रणाली से अवगत कराते हुए क्रेडिट प्रणाली के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही प्रशिक्षुओं को इंटर्नशिप के बारे में जानकारी प्रदान की गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ सुभाष चंद्र के द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से किया गया।

विभाग के प्रभारी प्रो.(डॉ) शुभ्रा श्रीवास्तव ने प्रशिक्षुओं को अनुशासन में रहते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अभिप्रेरित किया। उन्होंने तृतीय सेमेस्टर में इंटर्नशिप कार्यक्रम के महत्व को बताते हुए कहा कि एक प्रशिक्षु यदि अच्छे से इंटर्नशिप कर लेता है तो उसके अन्दर एक आदर्श शिक्षक के गुण विकसित हो जाते हैं।

विश्व युवा कौशल दिवस-2024 के अवसर पर 'कौशल भारत' विषय पर सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 15.07.2024 को 44 यूपी वाहिनी एनसीसी, गोरखपुर के तत्वावधान में महाविद्यालय की एन.सी.सी. प्लाटून/यूनिट द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस–2024 के अवसर पर 'कौशल भारत' विषय पर सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्ष 2014 में, संयुक्त राष्ट्र द्वारा युवाओं को उनके भविष्य के लिए आवश्यक कौशल पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से विश्व युवा कौशल दिवस की शुरुआत की गई। राष्ट्रीय

युवा दिवस–2024 का थीम "विकसित युवा–विकसित भारत" है। यह थीम युवा सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण पर हमारा ध्यान केंद्रित करती है।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रशिक्षक श्री सत्येन्द्र कुमार यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि एन.सी.सी. कैडेट्स के लिए 'कौशल भारत' विशेष पर आयोजित इस सेमिनार का उद्देश्य कैडेट्स को कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों के बारे में जागरूक करना है। कौशल विकास हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए आवश्यक है। आयोजित कार्यशाला में सभी एन.सी. सी. कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कौशल विकास के महत्व को समझा। कार्यक्रम के अंत में कैडेट्स के प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए और उन्हें प्रशिक्षण और करियर संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम

दिनांक 20.07.2024 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। **कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** द्वारा की गयी। अपने उद्बोधन में प्राचार्य जी ने शासन द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम 'एक पेड़ माँ के नाम' पर प्रकाश डाला। प्राचार्य जी द्वारा स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन लेयर, आदि के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा द इण्टरनेशनल टाइगर डे पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 29.07.2024 को महाविद्यालय के प्राणि–विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में ''द इंटरनेशनल टाइगर डे'' (अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस) के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता डॉ. सारिका सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रभारी, प्राणी विज्ञान विभाग, एसएम कॉलेज टी.एम. बी.यू भागलपुर थी।

अपने व्याख्यान में विशिष्ट वक्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस हर साल 29 जुलाई को विश्व स्तर पर मनाया जाता है जिसका उद्देश्य इस खूबसूरत और महत्वपूर्ण प्राणी के संरक्षण की ओर दुनिया भर का ध्यान आकर्षित करना है। इसकी शुरुआत साल 2010 में हुई और इसका लक्ष्य 13 बाघ रेंज वाले देश में जंगली बाघों की संख्या को दोगुना करना है, साल 2010 में एक सर्वे के अनुसार जंगली बाघों की संख्या में 95 प्रतिशत की कमी आई थी जो की एक खतरे की घंटी है। बाघ खाद्य श्रृंखला में उच्च उपभोक्ता है जो अपने शिकार के द्वारा शाकाहारी जंतुओं और वनस्पति के मध्य संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।